राष्ट्रीय सूचना बिज्ञान केंद्र , असम
हिंदी पखवाड़े का आयोजन – 2024
(14 सितम्बर - 28 सितम्बर, 2024)

राष्ट्रीय सूचना बिज्ञान केंद्र , असम राज्य केन्द्र, गुवाहाटी में 14 सितम्बर, 2024 से 28 सितम्बर, 2024 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया | कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी ज़िलों के सूचना बिज्ञान अधिकारी और राज्य मुख्यालय पर कार्यरत सभी अधिकारी , कर्मचारी वो अतिरिक्त सूचना बिज्ञान अधिकारी संमिलित हुए | श्री सुबीर कुमार नंदी, हिंदी अधिकारी, एनआईसी, असम सभी अधिकारियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए, अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि हर साल की तरह, आज हम फिर से हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा है और हमारी पहचान का भी हिस्सा है, इसलिए मुझे आज हिंदी दिवस पर आप सभी का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हिंदी भारत में सबसे अधिक लोगों के द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। बीतते समय के साथ इसकी लोकप्रियता और बढ़ती जा रही है। 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने जनभाषा हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। हिंदी भाषा को सम्मान देने के लिए 10 जनवरी को प्रतिवर्ष विश्व हिंदी दिवस (World Hindi Diwas) मनाया जाता है और राष्ट्रीय हिंदी दिवस हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है।

हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य केंद्र सरकार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। कार्यालयों में गैर-हिंदी भाषी अधिकारियों को हिंदी के जागरूकता पैदा के लिए प्रेरित किया जाता है।

पखवाड़ा शुभारंभ कार्यक्रम दिनांक 21 सितंबर, 2024 (शनिवार) सुबह 10 बजे हिंदी पखवाड़ा के उपलख्य में श्री अतनु दास , राज्य सुचना-विज्ञान अधिकारी , असम राज्य केन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमे एनआईसी असम के राज्य और जिला के अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके बाद श्री अतनु दास, राज्य सूचना अधिकारी अपने मुख्य अतिथि डां शर्मिला ताये को संबोधित करते हुए अपना भाषण दिया | उन्हने कान्हा की हिंदी भाषा , भारत जैसे बिबिधाताओं भरे देश के लोगो को जोड़ने वाले पूल के सामान हे वो हिंदी भाषा एक समाननता, संबेदनशीलता का सन्देश देती है और इस प्रकार यह भारतीय संबिधान का प्रतिबिम्ब है। इस पाबन अबसर पर हम सबको मिलकर संकल्प लेना चाहिए की हम हिंदी भाषा की समृद्धि और बिकाश में सहयोज करेंगे और इसे आने वाले पिरियो तक गर्व के साथ पहुचायेंगे। एसआईओ सर उपस्थित सभी अधिकारियों से अनुरोध करते हुए कहा की नोटिंग, सर्कुलर, नोटिस, ऑर्डर,

ईमेल आदि में अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में द्विभाषी का उपयोग शुरू करें। उन्होंने हिंदी टाइपिंग के लिए ऑनलाइन टूल और गूगल ट्रांसलेटर का उपयोग करने को भी कहा।

श्रीमती कविता बरकाकोटी, एएसआईओ (राज्य), श्री रूबैयत उल-अली, एएसआईओ (जिला), श्रीमती हिरण्मयी गोस्वामी, एएसआईओ (जिला), श्री संतुनु डेकराजा, एएसआईओ (जिला), अनुभाग अधिकारी ने भी हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर अपने भाषण दिए।

मुख्य अतिथि डां शर्मिला ताये, सहायक संचालक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, मालीगांव रेलवे मुख्यालय अपने भाषण में उन्होंने कहा की भले ही आधिकारिक तोर पर हिंदी देश का राष्ट्रभाषा न हो , केबल राजभाषा हो, बेबाहरिक तोर पर वो इस देश की यह सर्बबेपी भाषा हे। देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं बल्कि भाबो का अभीबेक्ति हे। इस दिवस के मौके पर हमें हमारे देश की एकता को और मजबूत बनाने के लिए हिंदी के महत्व को प्रमोट करना चाहिए, ताकि हम सभी भारतीय एक होकर आगे बढ़ सकें. हिंदी दिवस के मौके पर, हमें यह भी याद दिलाना चाहिए कि हमारी भाषा हमारी संस्कृति, गाथाएं, और इतिहास का प्रतीक है | हिंदी का सही ज्ञान हमें हमारे देश की धरोहर को समझने में मदद करता है और हमारे बच्चों को हमारे संस्कृति के मूल मूल्यों को सीखने में मदद करता है| हिंदी दिवस हमें हमारे देश के सांस्कृतिक धरोहर के प्रति समर्पित और जागरूक बनाता है, और हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमारी गर्व और पहचान का प्रतीक है |

हिंदी पखवाड़ा 2024 के दौरान 4 प्रतियोगिता आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में **हिंदी निबंध लेखन** , **कविता पाठन, आशु भाषण , स्मृति खेल** प्रतियोगिता आदि शामिल किया गया । सभी प्रतियोगिताओं में प्रदेश एवं जिले के लगभग सभी अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

डां शर्मिला ताये, सहायक संचालक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, मालीगांव रेलवे मुख्यालय, गुवाहाटी के द्वारा प्रतियोगिता का जाँच किया गया |

श्रीमती कविता बरकाकोटी, एएसआईओ (राज्य) ने उपस्तिथ सही अधिकारियों / कर्मचारियों का धन्यवाद दिते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इन प्रतियोगितायों के अलावा भी कुछ और रंगारंग कार्यक्रम इस केन्द्र के कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत किए गए, जिनमें एकल संगीत, युगल संगीत, कि-बोर्ड वादन, हिंदी नाटक शामिल किया गया था |

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे –

1. कविता पाठन (Poem Recitation)

हिंदीतर भाषी अधिकारियों के लिए (For Non-Hindi Speaking officials)

पुरस्कार	**विजेता के नाम**	**पद का नाम**
प्रथम पुरस्कार	श्रीमती मौसमी बोरा	मल्टीटास्किंग स्टाफ
द्वितीय पुरस्कार	श्री देबज्योति सरकार	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
तृतीय पुरस्कार	श्री गौरी शंकर दास भुइयां	वैज्ञानिक-बी
सांत्वना पुरस्कार	श्रीमती कविता बरकाकोटी	वैज्ञानिक-एफ
सांत्वना पुरस्कार	श्री दीपंकर बरुआ	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
सांत्वना पुरस्कार	सुश्री मैत्रेयी शर्मा	वैज्ञानिक-बी

हिंदी भाषी अधिकारियों के लिए (For Hindi Speaking officials)

प्रथम पुरस्कार	श्रीमती सीमा गोयल	वैज्ञानिक-एफ
द्वितीय पुरस्कार	श्री रीतेश कुमार श्रीवास्तव	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए

2. आशु भाषण (Extempore speech)

हिंदीतर भाषी अधिकारियों के लिए (For Non-Hindi Speaking officials)

प्रथम पुरस्कार	श्री बिष्णु छेत्री	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
द्वितीय पुरस्कार	श्री राजीब भट्टाचार्य	वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-एसबी
तृतीय पुरस्कार	श्री अरबिंद दत्ता	वैज्ञानिक-एफ
सांत्वना पुरस्कार	श्री दीपांक बोरा	वैज्ञानिक-डी
सांत्वना पुरस्कार	श्री अभिजीत काकोटी	वैज्ञानिक-डी
सांत्वना पुरस्कार	श्री गौरी शंकर दास भुइयां	वैज्ञानिक-बी

हिंदी भाषी अधिकारियों के लिए (For Hindi Speaking officials)

प्रथम पुरस्कार	श्री रीतेश कुमार श्रीवास्तव	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
द्वितीय पुरस्कार	श्री स्वराज	कनिष्ठ सचिवालय सहायक
सांत्वना पुरस्कार	श्रीमती सीमा गोयल	वैज्ञानिक-एफ
सांत्वना पुरस्कार	श्री आशीष सिंह	कनिष्ठ सचिवालय सहायक

3. निबंध लेखन (Essay Writing)
हिंदीतर भाषी अधिकारियों के लिए (For Non-Hindi Speaking officials)

प्रथम पुरस्कार	श्री राजीब भट्टाचार्य	वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-एसबी
द्वितीय पुरस्कार	श्री मंसूर अख्तर बरभुइया	वैज्ञानिक-सी

तृतीय पुरस्कार	श्री गौतम चंद्र देव शर्मा	वैज्ञानिक-सी
सांत्वना पुरस्कार	श्री मृदुल शुक्लबैद्य	वैज्ञानिक-बी
सांत्वना पुरस्कार	श्रीमती मनिका गोगोई बुरागोहाई	कनिष्ठ सचिवालय सहायक
सांत्वना पुरस्कार	श्रीमती मौसमी बोरा	मल्टीटास्किंग स्टाफ

4. स्मृति खेल (Memory Game)
हिंदीतर भाषी अधिकारियों के लिए (For Non-Hindi Speaking officials)

प्रथम पुरस्कार	श्री देबज्योति सरकार	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
द्वितीय पुरस्कार	श्री दीपंकर बरुआ	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
तृतीय पुरस्कार	श्री मृदुल शुक्लबैद्य	वैज्ञानिक-बी
सांत्वना पुरस्कार	श्री गौतम चंद्र देव शर्मा	वैज्ञानिक-सी
सांत्वना पुरस्कार	सुश्री अनुराधा बरुआ	वैज्ञानिक-ई
सांत्वना पुरस्कार	श्री राहुल बरुआ	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी

<u>कार्यक्रम की कुछ तस्वीर निचे संलग्न है :-</u>

विजेताओं को प्रमाण पत्र का वितरण

<u>सांस्कृतिक कार्यक्रम की कुछ तस्वीरे</u>

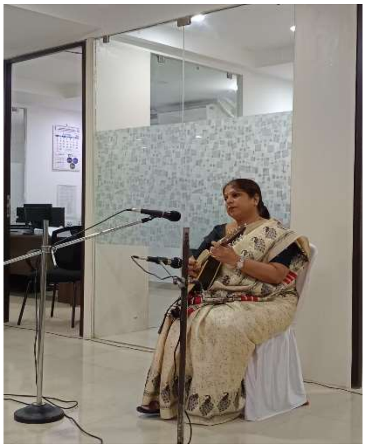

सुबीर कुमार नंदी
वैज्ञानिक-ई और हिंदी अधिकारी
राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, असम